# समीक्षा

## 2015 – 2016

# महिला उमंग प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड

ग्राम नैनी, पो0 आ0 कालिका, रानीखेत, ज़िला–अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड
E:info@umang-himalaya.com W: www.umang-himalaya.com

# परिचय

महिला उमंग उत्पादक कम्पनी लिमिटेड महिलाओं का एक सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठन है, जिसका पंजीकरण कंपनी अधिनियम 1956 के तहत दिनांक 09 जनवरी 2009 को किया गया।

उमंग का प्रमुख कार्यालय, 'हाउस ऑफ उमंग' ग्राम नैनी में, ज़िला अल्मोड़ा, रानीखेत के पास स्थित है। उमंग एक कंपनी ही नहीं बल्कि एक सपना है, एक विचार और जीने का एक अन्दाज़ है। **उमंग का लक्ष्य पर्वतीय महिला उत्पादकों को आजीविका के अवसर प्रदान कर उनके जीवन में गुणात्मक सुधार लाना है।**

इस संगठन की यात्रा सन् 2001 में पान हिमालयन ग्रासरुट्स डिवेलपमेंट फाउण्डेशन के मार्गदर्शन में एक स्वयं सेवी संस्था महिला उमंग समिति के रुप में आरम्भ हुई।

महिला उमंग समिति सन् 2001 से स्वयं सहायता समूहों का गठन कर विभिन्न सामुदायिक तथा प्राकृतिक संरक्षण/संवर्धन एवं आजीविका विकास कार्यक्रमों द्वारा पर्वतीय महिलाओं का सशक्तीकरण कर इस क्षेत्र में अनुकूल आर्थिक एवं सामुदायिक पृष्ठभूमि तैयार करने में सफल रही है। आजीविका विकास कार्यक्रमों के सुचारु संचालन के परिणाम स्वरुप महिला उमंग समिति के सदस्यों ने आपसी विचार विमर्श द्वारा उमंग को स्वयं सेवी संस्था से बदलकर प्रोड्यूसर/उत्पादक कम्पनी करने का प्रस्ताव फरवरी 2008 में पारित किया।

उत्पादक कम्पनी का मुख्य उद्देश्य आजीविका कार्यक्रमों को सामाजिक एवं आर्थिक रुप से कमजोर उत्पादक सदस्यों के हित को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाना है। सभी उत्पादक सदस्यों का कम्पनी पर समान हक, बराबर सदस्यता शुल्क द्वारा सुनिश्चित किया गया। कंपनी की सभी व्यावसायिक गतिविधियां सीधे उत्पादक सदस्यों द्वारा नियंत्रित की जाती हैं तथा उत्पादक सदस्य ही कम्पनी की सम्पूर्ण चल–अचल सम्पत्ति के मालिक हैं। उत्पादक कम्पनी का ढांचा यह सुनिश्चित करने में सहायक होता है कि बढ़ते उत्पादन के साथ–साथ मुनाफे का अधिक से अधिक प्रतिशत सीधे उत्पादक सदस्य के पास पहुंचे।

आने वाले कुछ वर्षों में उमंग का लक्ष्य 3,000 (तीन हज़ार) उत्पादक सदस्यों को ` 15,000 (पंद्रह हज़ार) प्रति वर्ष की आय सुनिश्चित कराना है। अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उमंग उत्पादक संगठन पारदर्शिता, गुणवत्ता, स्वावलम्बन, मांग के अनुसार परिवर्तन एवं उचित व्यापार के मूल सिद्धान्तों पर सदा कार्यरत रहेगी।

अपने लक्ष्य एवं मूल सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए उमंग उत्पादक संगठन ने फ़ेयर ट्रेड/उचित व्यापार प्रमाणीकरण प्राप्त किया। जो सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक संस्था लैंगिक समानता, उचित मूल्य भुगतान, पर्यावरणीय सुरक्षा, बेहतर कार्य स्थिति एवं बाल मज़दूरी विरोधी मूल्यों के साथ–साथ आर्थिक रुप से पिछड़े कामगारों को कार्य के अवसर प्रदान करती है। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय, गैर सरकारी संस्था फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) ने उमंग महिला उत्पादक संगठन को उचित व्यापारिक मूल्यों पर खरा पाया और फेयर ट्रेड प्रमाण पत्र जारी किया।

समीक्षा वर्ष के दौरान आजीविका कार्यक्रमों को उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा, नैनीताल, बागेश्वर, ज़िले के **8** विकासखण्डों के लगभग **90** गाँवों व हिमाचल प्रदेश के सिरमौर ज़िले के **56** गाँवों में संचालित किया गया। समीक्षा वर्ष के अन्त तक **146** स्वयं सहायता समूहों द्वारा उमंग की सदस्यता ग्रहण की जा चुकी है जिनमें **1,465 (एक हजार, चार सौ पैंसठ)** सदस्य हैं।

## महिला स्वयं सहायता समूह – उमंग उत्पादक संगठन

समीक्षा वर्ष के दौरान सभी स्वयं सहायता समूहों का मूल्यांकन कर उन्हें पुनः व्यवस्थित करने की प्रक्रिया की गयी। जिसके परिणाम स्वरुप संचित रुप से अब तक कुल 211 समूह क्रियाषील हैं इनमें कुल 3,030 (तीन हज़ार, तीस) महिला सदस्य हैं। समीक्षा वर्ष के अन्त में इन समूहों के कोष में ` 1,04,96,456 (एक करोड़, चार लाख, छियानबे हजार, चार सौ छप्पन) जमा है।

**संचित रूप से देखने पर इन महिलाओं द्वारा समीक्षा वर्ष के दौरान ` 29,31,960** (उन्तीस लाख, इकत्तीस हज़ार, नौ सौ साठ) **अपने स्वयं सहायता बचत कोष में जमा किया गया जो प्रतिदिन ` 8,033** (आठ हज़ार, तैंतीस) **की बचत है।** जिस पर समूहों को ` 2,57,473 (दो लाख, सत्तावन हज़ार, चार सौ तेहत्तर) ब्याज के रूप में बैंक से प्राप्त हुआ है। इस वर्ष 484 महिला सदस्यों ने इस जमा राशि से कुल ` 70,05,574 (सत्तर लाख, पांच हज़ार, पांच सौ चौहत्तर) ऋण लिया है, इस ऋण पर समूहों ने कुल ` 4,14,291 (चार लाख, चौदह हज़ार, दो सौ इक्यानबे) ब्याज के रूप में अर्जित किये हैं। समूह की महिलाओं ने इस ऋण का उपयोग अपने आवष्यक कार्यों की पूर्ति के लिए किया। सभी महिलाओं ने समय पर ऋण वापस किया है। इन महिलाओं की नियमित रुप से पैसा जमा करने की अच्छी आदत बन गयी है।

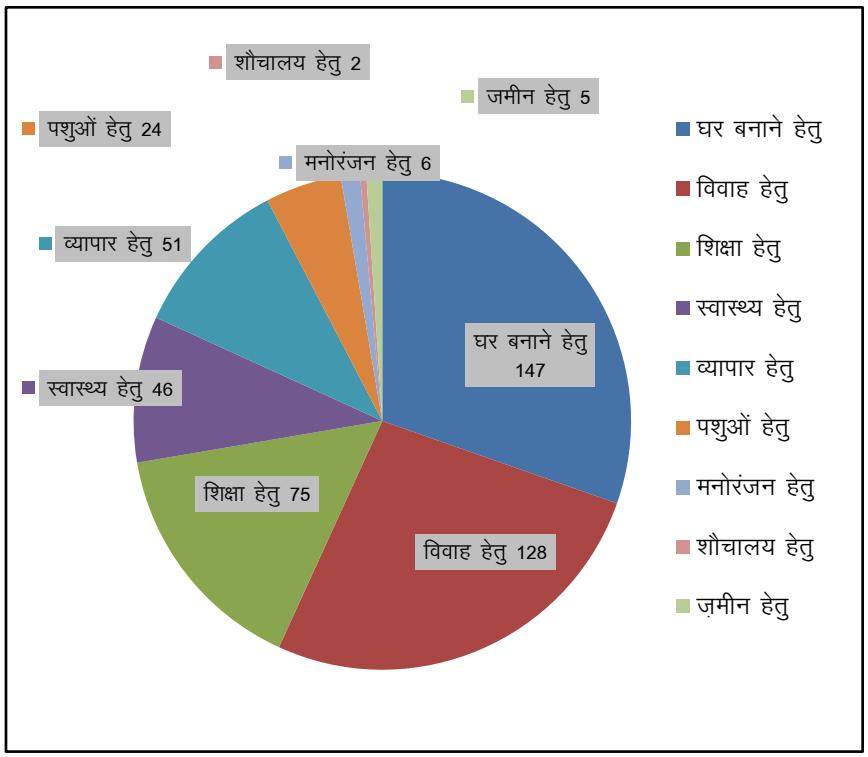


बचत एवं ऋण के साथ–साथ उत्तराखण्ड के 127 (60 %) स्वयं सहायता समूहों के 983 (32 %) सदस्य उमंग के आयवर्धन कार्यक्रमों में सहभागिता निभा रहे हैं। उमंग के कुल 1,465 (एक हजार, चार सौ पैंसठ) सदस्यों में से 180 सदस्य किसी भी समूह से नहीं जुड़े हैं।

# उमंग आजीविका कार्यक्रम : एक झलक

उमंग में प्रमुखतः चार व्यावसायिक इकाईयां / आजीविका कार्यक्रम हैं –

| क्र. स. | कार्यक्रम का नाम | कुल लाभान्वित सदस्य | कुल उत्पादन | | सदस्यों की उत्पादन से आय ` | सदस्यों को कुल बोनस ` | सदस्यों की कुल आय ` | प्रति सदस्य औसत आय ` |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | मात्रा | मूल्य ` | | | | |
| 1 | बुनाई | 680 | 10,713 पीस | 50,08,591 | 19,53,590 | 1,45,000 | 20,98,590 | 3,086 |
| 2 | फल संरक्षण | 217 | 17,908 कि0 | 29,35,974 | 5,40,087 | 60,000 | 6,00,087 | 2,765 |
| 3 | हिमखाद्य | 599 | 32,754 कि0 | 83,25,234 | 47,30,247 | 95,000 | 48,25,247 | 8,056 |
| 4 | शहद | 10 | 5,607 कि0 | 10,74,709 | 8,57,380 | – | 8,57,380 | 85,738 |
| | **कुल** | | | **1,73,44,508** | **80,81,304** | **3,00,000** | **83,81,304** | |

उमंग के द्वारा वर्ष 2015–16 के दौरान कुल 1,284 सदस्यों ने उपरोक्त आजीविका कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया, जिनमें कुल 76 प्रतिषत प्रतिभागी (978 सदस्य) उमंग के अंषधारक हैं तथा 24 प्रतिषत प्रतिभागी (306 सदस्य) उमंग के अंषधारक नहीं हैं। उपरोक्त सदस्यों में से 16 प्रतिषत प्रतिभागी 211 सदस्यों ने एक से अधिक कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया है।

## उमंग विक्रय विवरण

| क्रम संख्या | कार्यक्रम | ग्रॉस बिक्री ` | नैट बिक्री ` | बिक्री में प्रति ईकाई योगदान % |
|---|---|---|---|---|
| 1 | बुनाई | 68,76,690 | 60,96,966 | 42 |
| 2 | फल संरक्षण | 29,26,795 | 25,06,652 | 18 |
| 3 | हिमखाद्य | 42,98,642 | 39,93,276 | 27 |
| 4 | शहद | 21,91,118 | 19,39,150 | 13 |
| | **कुल** | **1,62,93,245** | **1,45,36,044** | **100** |

इस वर्ष उमंग ने निम्नलिखित 10 स्रोतों के माध्यम से अपने उत्पादों की कुल बिक्री ` 1,45,36,044 (एक करोड़, पैंतालीस लाख, छत्तीस हज़ार, चौवालीस) की। वित्तीय वर्ष में ` 3,03,562 (तीन लाख, तीन हज़ार, पाँच सौ बासठ) बिक्री कर के रूप में जमा किया।

| क्रम सं. | विक्रय स्रोत | ग्रॉस बिक्री ` | नैट बिक्री ` | नैट बिक्री % |
|---|---|---|---|---|
| 1 | हाउस ऑफ उमंग, नैनी | 29,32,859 | 28,10,524 | 19 |
| 2 | हाउस ऑफ उमंग, दिल्ली | 2,73,203 | 2,72,533 | 2 |
| 3 | हाउस ऑफ उमंग, निगलाट | 3,46,077 | 3,26,545 | 2 |
| 4 | हाउस ऑफ उमंग, हिमाचल | 2,40,600 | 2,39,921 | 1 |
| 5 | उमंग–हरेला, रामनगर | 2,89,549 | 2,29,560 | 2 |
| 6 | फैब इंडिया | 20,10,900 | 14,82,760 | 12 |
| 7 | प्रदर्शनियां | 26,07,103 | 25,55,389 | 16 |
| 8 | ई–सेल | 20,28,769 | 18,74,129 | 12 |
| 9 | स्वयं सहायता समूह | 5,42,593 | 5,40,240 | 3 |
| 10 | रिटेल के माध्यम | 50,21,592 | 42,04,443 | 31 |
| | **कुल** | **1,62,93,245** | **1,45,36,044** | **100** |

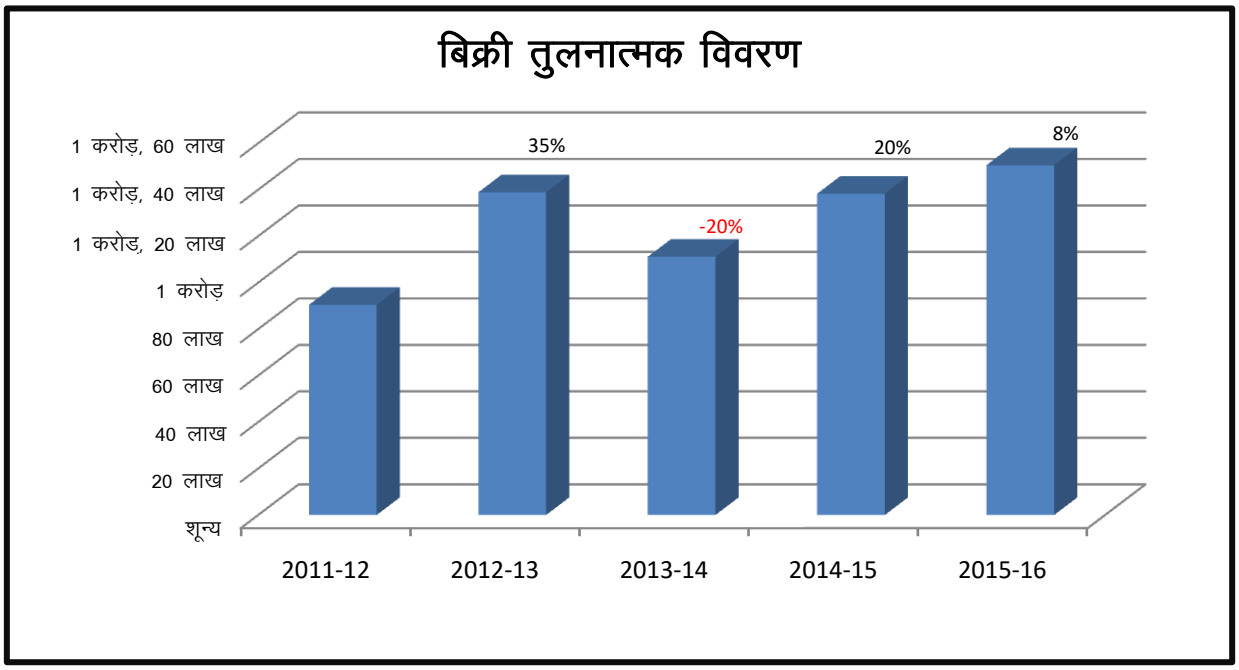


समीक्षा वर्ष के दौरान पूर्व संचालित आजीविका कार्यक्रमों को अधिक सदृढ़ता प्रदान करने के साथ–साथ बाजार की मांग और उत्पादकों के हित को सोचते हुए कुछ नए प्रयास भी किये गये हैं। जिसके अंतर्गत अन्य पर्वतीय स्थानीय महिला समूहों, बुनकरों व दस्तकारी द्वार उत्पादित वस्तुओं को बाज़ार व्यवस्था उपलब्ध कराने का प्रयास विगत वर्ष की भांति जारी रहे। वर्ष 2015–16 में विश्व के कुछ अन्य पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित देशों के साथ मिलकर उमंग ने ग्रासरुट्स द्वारा आयोजित माउंटेन हाई प्रदर्शनी में अपनी सहभागिता निभाई। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य पर्वतीय क्षेत्रों के उत्पादों की महत्ता व वहां के रहने वाले लोगों की आजीविका बढ़ाना था। भविष्य में भी उमंग इस तरह के प्रयासों में अपनी सहभागिता निभाता रहेगा।

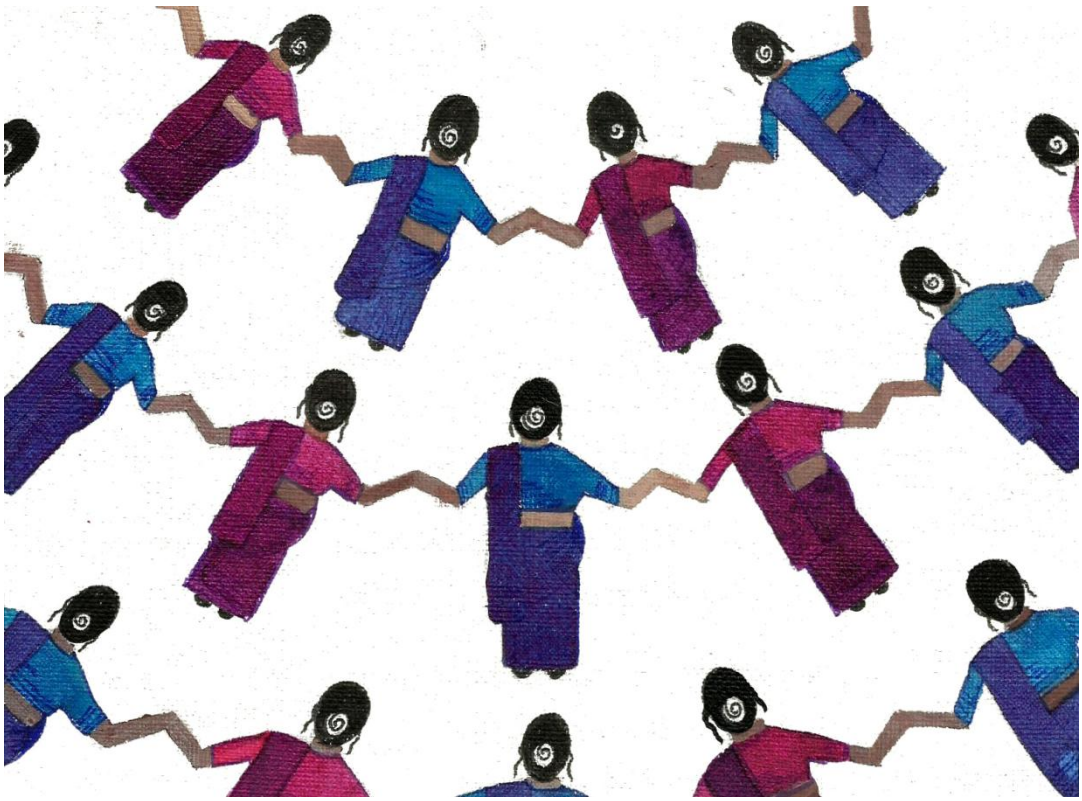

## 1. बुनाई कार्यक्रम :

बुनाई कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त **78** महिला स्वयं सहायता समूहों की **680** महिलाओं ने हाथ के बुने उत्पादों का उपादन कर आजीविका के रूप में ` **17,90,370 (सत्रह लाख, नब्बे हज़ार, तीन सौ सत्तर)** अतिरिक्त आय अर्जित की।

उत्पाद की गुणवत्ता परखने के लिए समूह का नेतृत्व करने वाली महिलाओं को उत्पादन के आधार पर ` **1,63,220 (एक लाख, त्रेसठ हज़ार, दो सौ बीस)** का भुगतान किया गया, साथ ही वित्तीय वर्ष में ` **1,45,000** (एक लाख, पैंतालीस हज़ार) बोनस के रूप में वितरित किया गया जिससे प्रत्येक प्रतिभागी को अपनी वार्षिक आय का **7 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश पाने का मौका मिला।

इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं में आर्थिक स्वावलम्बिता का विकास हुआ है, जिससे उनमें आत्मनिर्भता आई है। संचित रूप से नैट बिक्री का **34 प्रतिषत** बुनाई करने वाली महिलाओं ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

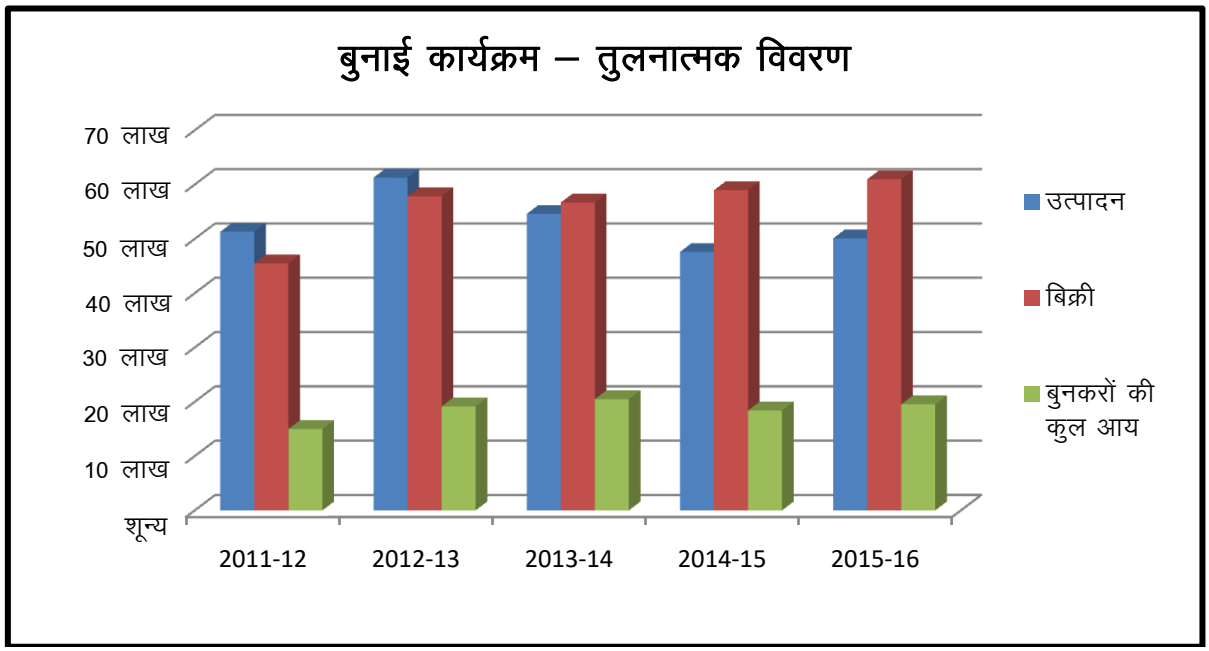


**बुनाई कार्यक्रम का प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका**

| क्रम संख्या | गधेरे का नाम | कुल गाँव | कुल सदस्य | कुल समूह | कुल उत्पादन (पीस) | उत्पाद से आय ` | लीडर आय ` | बोनस से आय ` | कुल आय ` |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | गगास अन्य | 4 | 97 | 7 | 1,664 | 3,91,255 | 43,342 | 32,054 | 4,66,651 |
| 2 | कुजगढ़ | 4 | 98 | 7 | 2,534 | 3,68,670 | 39,857 | 30,231 | 4,38,758 |
| 3 | दुसाद | 7 | 147 | 23 | 1,320 | 3,09,915 | 9,930 | 25,413 | 3,45,258 |
| 4 | सोमेष्वर | 6 | 109 | 9 | 1,074 | 2,73,945 | 31,253 | 22,448 | 3,27,646 |
| 5 | कोसी | 3 | 59 | 3 | 1,806 | 1,61,355 | 17,875 | 13,231 | 1,92,461 |
| 6 | पनाई | 2 | 39 | 6 | 610 | 89,840 | 10,063 | 7,367 | 1,07,270 |
| 7 | कनाड़ी | 8 | 53 | 13 | 592 | 95,640 | – | 7,842 | 1,03,482 |
| 8 | माल्यागाड़ | 2 | 34 | 8 | 429 | 42,380 | 4,634 | 3,431 | 50,445 |
| 9 | अन्य | 1 | 20 | – | 326 | 23,180 | 2,565 | 180 | 25,925 |
| 10 | गगास वैली | 1 | 13 | 1 | 139 | 21,440 | 2,257 | 1,758 | 25,455 |
| 11 | रिसकन | 1 | 11 | 1 | 219 | 12,750 | 1,444 | 1,045 | 15,239 |
| | **कुल** | **39** | **680** | **78** | **10,713** | **17,90,370** | **1,63,220** | **1,45,000** | **20,98,590** |

| | बुनाई उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| विवरण | श्रेणी | समूह का नाम | गधेरे का नाम | उत्पाद से आय ` | बोनस से आय ` | कुल आय ` | कुल प्रतिभागी | प्रति सदस्य औसत आय ` |
| | प्रथम | उत्साह समूह (कौसानी) | सोमेष्वर | 81,665 | 6,696 | 88,361 | 11 | 8,033 |
| **शहरी क्षेत्र** | द्वितीय | लक्ष्मीबाई समूह (मजखाली) | गगास अन्य | 37,670 | 3,089 | 40,759 | 6 | 6,793 |
| | तृतीय | एकता समूह (मजखाली) | गगास अन्य | 66,945 | 5,489 | 72,434 | 12 | 6,036 |
| | प्रथम | उत्साह समूह (उप्राड़ी) | कुजगढ़ | 81,090 | 6,649 | 87,739 | 16 | 5,484 |
| **ग्रामीण क्षेत्र** | द्वितीय | सुमंगल समूह (नैनीपुल) | कोसी | 73,560 | 6,032 | 79,592 | 16 | 4,975 |
| | तृतीय | हरियाली समूह (कालिका) | पनाई | 47,005 | 4,164 | 51,169 | 12 | 4,264 |

| प्रथम दस श्रेष्ठ बुनाई उत्पादक सदस्य | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम | महिला का नाम | सदस्यता कोड | समूह का नाम | गधेरे का नाम | कुल मात्रा पीस | उत्पाद से आय ` | बोनस से आय ` | कुल आय ` |
| **शहरी क्षेत्र** | | | | | | | | |
| प्रथम | आषा थापा | 48 | सुमंगल समूह (नैनीपुल) | कोसी | 213 | 20,545 | 1,685 | 22,230 |
| द्वितीय | माया खर्कवाल | 77 | उत्साह समूह (कौसानी) | सोमेष्वर | 58 | 18,565 | 1,522 | 20,087 |
| तृतीय | शबनम ख़ान | 785 | एकता समूह (मजखाली) | गगास अन्य | 83 | 15,275 | 1,253 | 16,528 |
| चतुर्थ | मंजू तिवारी | 476 | जीवन ज्योति समूह (ताड़ीखेत) | गगास अन्य | 41 | 13,000 | 1,066 | 14,066 |
| पंचम् | मंजू कबडवाल | 75 | उत्साह समूह (कौसानी) | सोमेष्वर | 39 | 12,105 | 993 | 13,098 |
| **ग्रामीण क्षेत्र** | | | | | | | | |
| प्रथम | इंद्रा देवी | 47 | सुमंगल समूह (नैनीपुल) | कोसी | 124 | 9,235 | 757 | 9,992 |
| द्वितीय | सरिता बिष्ट | 2331 | उत्साह समूह (उप्राड़ी) | कुजगढ़ | 38 | 8,630 | 708 | 9,338 |
| तृतीय | मंजू देवी | 2986 | जय कृष्णा समूह (मुझोली) | माल्यागाड़ | 100 | 8,515 | 698 | 9,213 |
| चतुर्थ | हेमा पंत | 2326 | उत्साह समूह (उप्राड़ी) | कुजगढ़ | 37 | 7,650 | 627 | 8,277 |
| पंचम् | लता पंत | 2325 | उत्साह समूह (उप्राड़ी) | कुजगढ़ | 42 | 7,510 | 615 | 8,125 |

बुनाई कार्यक्रम में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से समीक्षा वर्ष 2015–16 में बुनाई कार्यक्रम में भाग लेने वाली 680 महिलाओं में विषेष स्थान प्राप्त करने वाली बुनकर सदस्याओं को समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

## 2. संरक्षित खाद्य कार्यक्रम :

कुमाँऊ क्षेत्र के आर्थिक विकास का आधार कृषि एवं बाग़वानी है, इसे मद्देनजर रखते हुये एक उचित उद्यम की स्थापना कर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से काश्तकारों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान करने हेतु उमंग ने संरक्षित खाद्य कार्यक्रम की स्थापना की। इस कार्यक्रम को चलाने हेतु उमंग को भारत सरकार द्वारा नियंत्रित **एफ0 एस0 एस0 ए0** (फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड ऑथोरिटी) का लायसेन्स भी प्राप्त है।

फल संरक्षण कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त स्वयं सहायता समूहों का गठन कर **43** महिला स्वयं सहायता समूहों के **217** किसान परिवारों से ` **5,40,087 (पांच लाख, चालीस हज़ार, सत्तासी)** के उत्पादों का क्रय कर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले उत्पादकों को उचित मूल्य प्रदान किया गया।

इसके साथ–साथ वित्तीय वर्ष में ` **60,000 (साठ हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपनी वार्षिक आय का **11 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश अर्जित करने का मौका मिला। संचित रूप से नैट बिक्री का **24** प्रतिषत रूपया काष्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

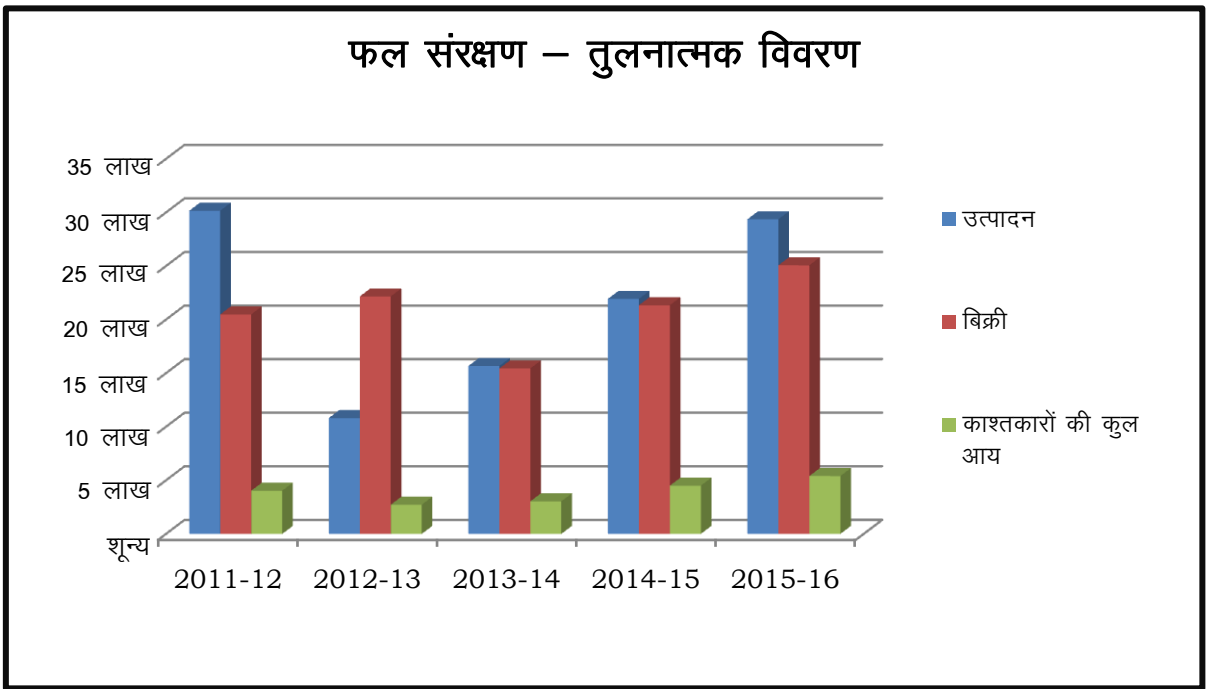


| फल संरक्षण उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **क्रम** | **समूह का नाम** | **गधेरे का नाम** | **उत्पाद से आय ` ** | **बोनस से आय ` ** | **कुल आय ` ** | **कुल प्रतिभागी** | **प्रति सदस्य औसत आय ` ** |
| प्रथम | सिद्धि विनायक समूह (रतखाल) | हैडवाटर्स | 96,000 | 13,297 | 1,09,297 | 19 | 5,752 |
| द्वितीय | ज्योति समूह (कूल ) | कोसी | 36,222 | 5,496 | 41,718 | 13 | 3,209 |
| तृतीय | विष्वास समूह (बनोलिया) | पनाई | 41,170 | 6,246 | 47,416 | 17 | 2,789 |

| फल संरक्षण कार्यक्रम का प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम संख्या | गधेरे का नाम | कुल गाँव | कुल समूह | कुल सदस्य | कुल उमंग अंष धारक | कुल उत्पादन (कि.ग्रा.) | उत्पाद से आय ` | बोनस से आय ` | कुल आय ` |
| 1 | हैडवाटर्स | 4 | 7 | 38 | 29 | 3,409 | 1,31,660 | 15,985 | 1,47,645 |
| 2 | कोसी | 4 | 3 | 49 | 47 | 3,850 | 74,066 | 10,889 | 84,955 |
| 3 | पनाई | 3 | 8 | 39 | 38 | 2,828 | 57,512 | 8,657 | 66,169 |
| 4 | अन्य | 6 | 0 | 8 | 0 | 2,818 | 51,063 | 0 | 51,063 |
| 5 | माल्यागाड़ | 10 | 15 | 39 | 29 | 1,254 | 35,833 | 4,000 | 39,833 |
| 6 | रिसकन | 2 | 2 | 14 | 4 | 165 | 16,521 | 2,364 | 18,885 |
| 7 | कुजगढ़ | 2 | 1 | 7 | 6 | 499 | 11,018 | 1,550 | 12,568 |
| 8 | कनाड़ी | 3 | 2 | 3 | 2 | 212 | 3,985 | 423 | 4,408 |
| 9 | दुसाद | 3 | 3 | 4 | 3 | 91 | 3,449 | 288 | 3,737 |
| 10 | गगास अन्य | 1 | 2 | 4 | 4 | 399 | 2,090 | 317 | 2,407 |
| **कुल (उत्तराखण्ड)** | | **38** | **43** | **205** | **161** | **15,525** | **3,87,197** | **44,473** | **4,31,670** |
| 11 | हिमाचल | 6 | 0 | 12 | 5 | 2,383 | 1,52,890 | 15,527 | **1,68,417** |
| **कुल** | | **44** | **43** | **217** | **166** | **17,908** | **5,40,087** | **60,000** | **6,00,087** |

| प्रति गधेरा – श्रेष्ठ फल उत्पादक सदस्य | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम सं. | गधेरे का नाम | सदस्य का नाम | सदस्यता कोड | समूह का नाम | कुल उत्पादन (कि.ग्रा.) | उत्पाद से आय ` | बोनस से आय ` | कुल आय ` |
| 1 | रिसकन | बीना देवी | 2941 | (वलना) | 146 | 14,580 | 2,212 | 16,792 |
| 2 | हैडवाटर्स | कमला भण्डारी | 2800 | सिद्धि विनायक समूह (रतखाल) | 288 | 11,500 | 1,745 | 13,245 |
| 3 | माल्यागाड़ | देवकी देवी | 66 | उज्जवल समूह (लिल्लाड़ी) | 417 | 8,470 | 1,285 | 9,755 |
| 4 | पनाई | गंगा देवी | 359 | विष्वास समूह (बनोलिया) | 217 | 6,922 | 1,050 | 7,972 |
| 5 | कोसी | भगवती देवी | 2618 | ज्योति समूह (कूल) | 331 | 6,555 | 995 | 7,550 |
| 6 | कुजगढ़ | जानकी बेलवाल | 2764 | (भड़गांव) | 135 | 2,866 | 435 | 3,301 |
| 7 | कनाड़ी | गंगा देवी | 3007 | आशा समूह (मल्ली सलोनी) | 121 | 2,420 | 367 | 2,787 |
| 8 | दुसाद | हेमा जोषी | * | जय देवी माँ समूह (स्यालसुना) | 16 | 1,550 | 0 | 1,550 |
| 9 | गगास अन्य | पुष्पा अधिकारी | 536 | वन्दना समूह (मजखाली) | 357 | 1,071 | 162 | 1,233 |
| 10 | **हिमाचल** | देवराज सिंह | 278 | (भेड़ेवाला) | 406 | 28,420 | 4,312 | 32,732 |

फल उत्पादन कार्यक्रम में प्रत्येक गधेरे से विषेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को उनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप समीक्षा वर्ष 2015–16 में फल उत्पादन कार्यक्रम में भाग लेने वाले 217 सदस्यों में विषेष स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

| फलों की खरीद का उमंग में प्रतिषत योगदान | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| क्रम | उत्पाद का नाम | उत्पाद (कि0ग्रा0) | प्रतिषत योगदान मात्रा के आधार पर | उत्पाद कुल मूल्य ` | प्रतिषत योगदान मूल्य के आधार पर |
| 1 | लहसुन | 3,648 | 20 % | 1,46,310 | 27 % |
| 2 | आम | 3,168 | 18 % | 57,960 | 11 % |
| 3 | खुमानी | 2,631 | 15 % | 52,911 | 10 % |
| 4 | स्ट्रॉबैरी | 2,167 | 12 % | 1,59,121 | 29 % |
| 5 | प्लम् | 1,199 | 7 % | 20,068 | 4 % |
| 6 | बड़ा नींबू | 914 | 5 % | 7,312 | 1 % |
| 7 | काग़ज़ी नींबू | 897 | 5 % | 33,189 | 6 % |
| 8 | नाशपाती | 645 | 4 % | 1,935 | 0.4 % |
| 9 | सेब | 601 | 3 % | 10,466 | 2 % |
| 10 | अमरुद | 578 | 3 % | 11,710 | 2 % |
| 11 | माल्टा | 561 | 3 % | 8,376 | 2 % |
| 12 | हरी मिर्च | 447 | 2 % | 13,413 | 2 % |
| 13 | प्याज़ | 164 | 1 % | 2,952 | 1 % |
| 14 | अदरक | 133 | 1 % | 8,160 | 2 % |
| 15 | टमाटर | 95 | 1 % | 1,900 | 0.4 % |
| 16 | कीवी | 62 | 0.3 % | 4,305 | 1 % |
| **कुल** | | **17,908** | | **5,40,087** | |

## 3. हिमखाद्य कार्यक्रम :

अधिक से अधिक काश्तकारों को आजीविका एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उमंग द्वारा अतिरिक्त फसलों के क्रय – विक्रय के कार्यक्रम को प्रोत्साहन दिया गया। हमारा मुख्य उद्देश्य जहां एक ओर वर्षा आधारित लुप्त हो रही पारम्परिक फसलों को बढ़ाना है वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उचित मूल्यों पर बाज़ार में जैविक खाद्य सामग्री को उपलब्ध कराना भी है। इन उत्पादों को उमंग, हिमखाद्य के नाम से बेचता है।

समीक्षा वर्ष के दौरान **89** स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से **599** किसानों ने अपने विभिन्न उत्पादों को विक्रय कर, ` **47,30,247 (सैंतालीस लाख, तीस हज़ार, दो सौ सैंतालीस)** की आय अर्जित की।

बाजार भाव की प्राप्ति के साथ–साथ उपरोक्त किसानों को वित्तीय वर्ष में ` **95,000(पच्चानबे हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया, जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपने वार्षिक आय का **2 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश अर्जित करने का मौका मिला।

समीक्षा वर्ष के दौरान अखरोट के संरक्षण एवं पैकिंग इकाई की सिरमौर जिले के जमटा गाँव में स्थापना की गयी, व चयनित कार्यकर्ताओं को उचित प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गयी। इस इकाई को सदृढ़ करने के लिए 5 अखरोट उत्पादक समूहों का गठन कर 167 काश्तकारों का उत्पाद एकत्रित कर इस इकाई के माध्यम से भण्डारण एवं प्रोसेसिंग का कार्य किया गया।

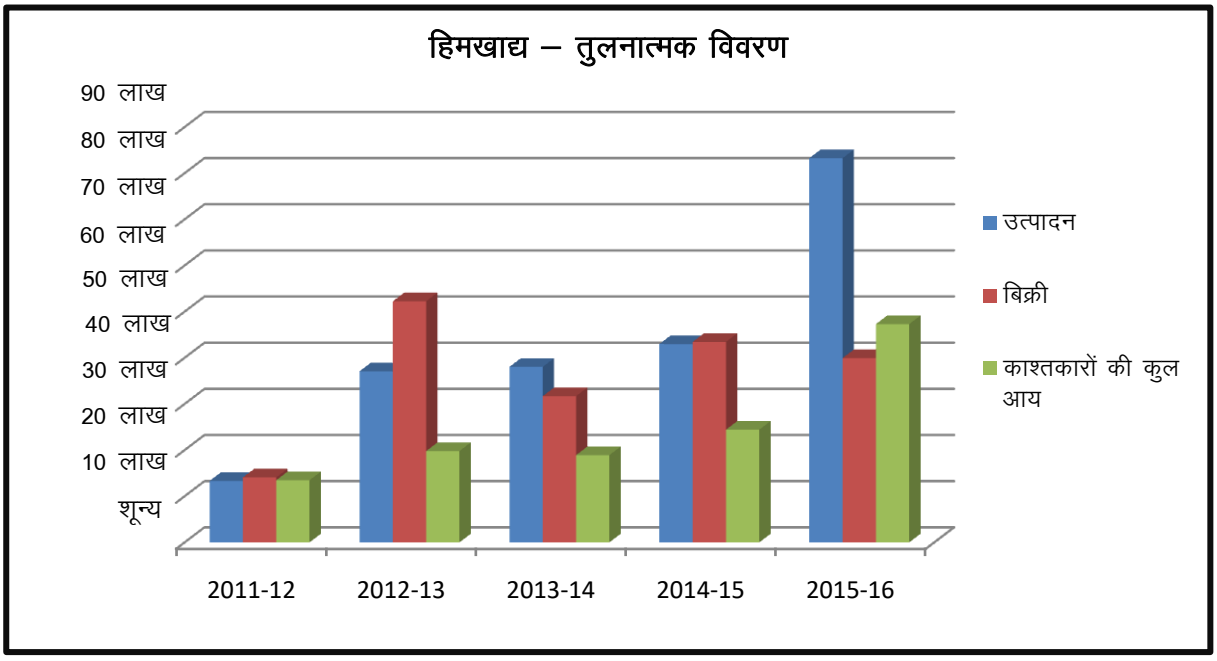


| हिमखाद्य कार्यक्रम – प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम संख्या | गधेरे का नाम | कुल गाँव | कुल समूह | कुल सदस्य | कुल उमंग अंष धारक | कुल उत्पादन (कि.ग्रा.) | उत्पाद से आय ` | बोनस से आय ` | कुल आय ` |
| 1 | हैडवाटर्स | 4 | 9 | 66 | 56 | 2,238 | 1,87,946 | 6,771 | 1,94,717 |
| 2 | दुसाद | 12 | 32 | 158 | 103 | 4,469 | 1,83,681 | 6,045 | 1,89,726 |
| 3 | कोसी | 5 | 4 | 24 | 23 | 1,791 | 1,72,078 | 6,599 | 1,78,677 |
| 4 | कनाड़ी | 10 | 13 | 51 | 34 | 558 | 85,803 | 3,213 | 89,016 |
| 5 | अन्य | 8 | 0 | 15 | 0 | 648 | 67,321 | 0 | 67,321 |
| 6 | माल्यागाड़ | 7 | 18 | 91 | 68 | 2,096 | 53,282 | 1,768 | 55,050 |
| 7 | रिसकन | 2 | 1 | 8 | 3 | 100 | 8,342 | 310 | 8,652 |
| 8 | गगास वैली | 1 | 1 | 5 | 5 | 239 | 7,155 | 284 | 7,439 |
| 9 | पनाई | 3 | 5 | 11 | 8 | 149 | 3,948 | 74 | 4,022 |
| 10 | सोमेष्वर | 1 | 1 | 3 | 3 | 242 | 3,630 | 144 | 3,774 |
| **कुल (उत्तराखण्ड)** | | **53** | **84** | **432** | **303** | **12,530** | **7,73,186** | **25,208** | **7,98,394** |
| 11 | हिमाचल | 52 | 5 | 167 | 62 | 20,224 | 39,57,061 | 69792 | 40,26,853 |
| **कुल** | | **105** | **89** | **599** | **365** | **32,754** | **47,30,247** | **95,000** | **48,25,247** |

| उत्तराखण्ड के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम | समूह का नाम | गधेरे का नाम | उत्पाद से आय ` | बोनस से आय ` | कुल आय ` | कुल प्रतिभागी | प्रति सदस्य औसत आय ` |
| प्रथम | कृषक तृतीय समूह (सुरना) | हैडवाटर्स | 17,727 | 705 | 18,432 | 2 | 9,216 |
| द्वितीय | देव स्थल समूह (खलाड़) | कोसी | 31,912 | 1,268 | 33,180 | 4 | 8,295 |
| तृतीय | कृषक चतुर्थ समूह (सुरना) | हैडवाटर्स | 13,774 | 547 | 14,321 | 2 | 7,161 |

| प्रति गधेरा – श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य – उत्तराखण्ड से | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम | गधेरे का नाम | सदस्य का नाम | सदस्यता कोड | समूह का नाम | कुल उत्पादन (कि.ग्रा.) | उत्पाद से आय ` | बोनस से आय ` | कुल आय ` |
| 1 | कोसी | भावना देवी | 2785 | (बना) | 547 | 57,435 | 2,283 | 59,718 |
| 2 | हैडवाटर्स | दीपा रावत | 2356 | कृषक 3 (सुरना) | 119 | 16,290 | 647 | 16,937 |
| 3 | दुसाद | हेमा जोशी | 144 | विकास समूह (दड़माड़) | 219 | 8,281 | 329 | 8,610 |
| 4 | कनाड़ी | भावना नेगी | 971 | जन जागृति (सैनरी) | 36 | 7,854 | 312 | 8,166 |
| 5 | रिसकन | बीना देवी | 2941 | वलना | 81 | 6,810 | 271 | 7,081 |
| 6 | गगास वैली | चम्पा देवी | 3085 | कृषि समूह (बासुलीसेरा) | 125 | 3,750 | 149 | 3,899 |
| 7 | माल्यागाड़ | भगाा देवी | 2383 | जय कृष्णा समूह (मुझोली) | 153 | 2,939 | 117 | 3,056 |
| 8 | सोमेष्वर | मंजू तिवारी | 593 | पूजा समूह (बैगनिया) | 195 | 2,925 | 116 | 3,041 |
| 9 | पनाई | गंगा देवी | * | जय मां काली (कालिका) | 67 | 1,175 | 0 | 1,175 |

| हिमाचल के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम | समूह का नाम | उत्पाद से आय ` | बोनस से आय ` | कुल आय ` | कुल प्रतिभागी | प्रति सदस्य औसत आय ` |
| प्रथम | चुड़ेष्वर समूह | 8,51,100 | 30,699 | 8,81,799 | 17 | 51,871 |
| द्वितीय | खलोगेष्वर महाराज | 4,14,610 | 16,400 | 4,31,010 | 21 | 20,524 |
| तृतीय | सेन्धार | 6,28,492 | 17,224 | 6,45,716 | 34 | 18,992 |

| प्रथम तीन श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य – हिमाचल | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम | सदस्य का नाम | सदस्यता कोड | समूह का नाम | कुल उत्पादन (कि.ग्रा.) | उत्पाद से आय ` | बोनस से आय ` | कुल आय ` |
| प्रथम | नेहा देवी | 2896 | चुड़ेष्वर समूह (घण्डूरी) | 675 | 1,41,750 | 5,634 | 1,47,384 |
| द्वितीय | सविता देवी | 3054 | चुड़ेष्वर समूह (घण्डूरी) | 581 | 1,22,010 | 4,849 | 1,26,859 |
| तृतीय | शकुन्तला देवी | 2932 | खलोगेष्वर महाराज (तंदुला) | 601 | 1,14,190 | 4,539 | 1,18,729 |

**हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में प्रत्येक गधेरे से विषेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को उनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप समीक्षा वर्ष 2015–16 में हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में उत्तराखण्ड से भाग लेने वाले 599 सदस्यों में विषेष स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।**

| हिमखाद्य उत्पादों की खरीद का उमंग में प्रतिषत योगदान | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| क्रम | उत्पाद का नाम | उत्पाद (कि0ग्रा0) | प्रतिषत योगदान मात्रा के आधार पर | उत्पाद कुल मूल्य ` | प्रतिषत योगदान मूल्य के आधार पर |
| 1 | अखरोट | 19,231 | 59 % | 37,54,844 | 79 % |
| 2 | राजमा | 2,541 | 8 % | 2,67,821 | 6 % |
| 3 | सोयाबीन | 2,411 | 7 % | 79,561 | 2 % |
| 4 | मडुवा | 1,570 | 5 % | 21,917 | 0.5 % |
| 5 | झुंगरा | 1,161 | 4 % | 17,350 | 0.4 % |
| 6 | हल्दी | 891 | 3 % | 60,830 | 1 % |
| 7 | काला भट्ट | 866 | 3 % | 37,540 | 1 % |
| 8 | लाल मिर्च | 730 | 2 % | 1,25,203 | 3 % |
| 9 | अनारदाना | 483 | 1 % | 2,12,370 | 4 % |
| 10 | मक्का आटा | 353 | 1 % | 8,734 | 0.2 % |
| 11 | जौ | 329 | 1 % | 4,732 | 0.1 % |
| 12 | चावल | 302 | 1 % | 7,785 | 0.2 % |
| 13 | मेथी | 285 | 1 % | 9,948 | 0.2 % |
| 14 | तिल | 198 | 1 % | 22,621 | 0.5 % |
| 15 | चौलाई | 191 | 1 % | 6,666 | 0.1 % |
| 16 | रीठा | 159 | 0.5 % | 1,591 | 0.03 % |
| 17 | मूंग दाल | 150 | 0.5 % | 9,009 | 0.2 % |
| 18 | मसूर | 140 | 0.4 % | 11,192 | 0.2 % |
| 19 | धनिया | 138 | 0.4 % | 16,278 | 0.3 % |
| 20 | कैमोमाइल | 122 | 0.4 % | 30,372 | 1 % |
| 21 | मटर | 119 | 0.4 % | 7,063 | 0.15 % |
| 22 | अरहर | 68 | 0.2 % | 5,271 | 0.11 % |
| 23 | तेजपात | 66 | 0.2 % | 2,312 | 0.05 % |
| 24 | बाकुला | 32 | 0.1 % | 2,540 | 0.05 % |
| 25 | गहत | 29 | 0.1 % | 2,940 | 0.06 % |
| 26 | रैंश | 8 | 0.02 % | 262 | 0.01 % |
| 27 | राई | 7 | 0.02 % | 500 | 0.01 % |
| 28 | उरद | 4 | 0.01 % | 299 | 0.01 % |
| 29 | अलसी | 4 | 0.01 % | 284 | 0.01 % |
| 30 | बड़ी इलायची | 1 | 0.003 % | 1,700 | 0.04 % |
| 31 | सेज | 0.9 | 0.003 % | 225 | 0.005 % |
| 32 | औरिगेनो | 0.85 | 0.003 % | 211 | 0.004 % |
| 33 | उगल | 1 | 0.002 % | 49 | 0.001 % |
| 34 | टेरागान | 0.55 | 0.002 % | 137 | 0.003 % |
| 35 | जखिया | 1 | 0.002 % | 40 | 0.001 % |
| 36 | थाइम | 0.2 | 0.001 % | 50 | 0.001 % |
| **कुल** | | **32,591** | | **47,30,247** | |

समीक्षा वर्ष के दौरान पारम्परिक फसलों के साथ–साथ बाज़ारी व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नगदी फसलों की बढ़ोतरी के प्रयास के चलते कैमोमाइल का उत्पादन जारी रहा, जिसका विवरण निम्न प्रकार है :

| क्रम | वर्ष | गाँव | काष्तकार | उत्पादन (किग्रा0) | आय ` | बिक्री ` |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2010–11 | 10 | 15 | 18 | 8,700 | 40,800 |
| 2 | 2011–12 | 30 | 118 | 229 | 1,14,500 | 5,37,600 |
| 3 | 2012–13 | 45 | 327 | 773 | 3,86,463 | 7,82,973 |
| 4 | 2013–14 | 40 | 377 | 842 | 4,21,017 | 4,95,010 |
| 5 | 2014–15 | 29 | 213 | 547 | 1,90,388 | 7,75,323 |
| 6 | 2015–16 | 24 | 156 | 122 | 30,373 | 4,30,443 |

## जैविक सहभागी प्रमाणीकरण प्रक्रिया

उत्तराखण्ड के अधिकांश भागों में खेती पारम्परिक रुप से जैविक रही है। उमंग अपनी पर्यावरणीय सुरक्षा के प्रति वचनबद्धता, स्वास्थ्य के दृष्टिकोण एवं पर्वतीय खेती की सत्ता को ध्यान में रखते हुए अपने काश्तकार उत्पादक सदस्यों के बीच जैविक सहभागी प्रमाणीकरण (पी0जी0एस0) योजना को प्रोत्साहन दे रही है। इस योजना के अंतर्गत निम्न क्षेत्रों के काश्तकारों ने अपनी ज़मीन पर सजीव खेती करने की प्रतिज्ञा ली। समीक्षा वर्ष के दौरान इन सभी काश्तकारों ने जैविक खेती की प्रक्रिया को जारी रखा।

| क्र.सं. | गधेरा | गाँव | स्वयं सहायता समूह | काश्तकार | भूमि (एकड़) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | दुसाद | 15 | 46 | 517 | 362 |
| 2 | माल्यागाड़ | 7 | 38 | 419 | 188 |
| 3 | रिसकन | 1 | 2 | 10 | 14 |
| **कुल** | | **23** | **86** | **946** | **564** |

## 4. मौन पालन कार्यक्रम :

समीक्षा वर्ष में मौन पालकों से ` **8,57,380 (आठ लाख, सत्तावन हज़ार, तीन सौ अस्सी)** के शहद का क्रय किया गया। जो मौन पालन कार्यक्रम से होने वाली कुल बिक्री का **44** प्रतिषत है। इस वर्ष शहद की कुल बिक्री ` **19,39,150 (उन्नीस लाख, उन्तालीस हज़ार, एक सौ पचास)** हुई।

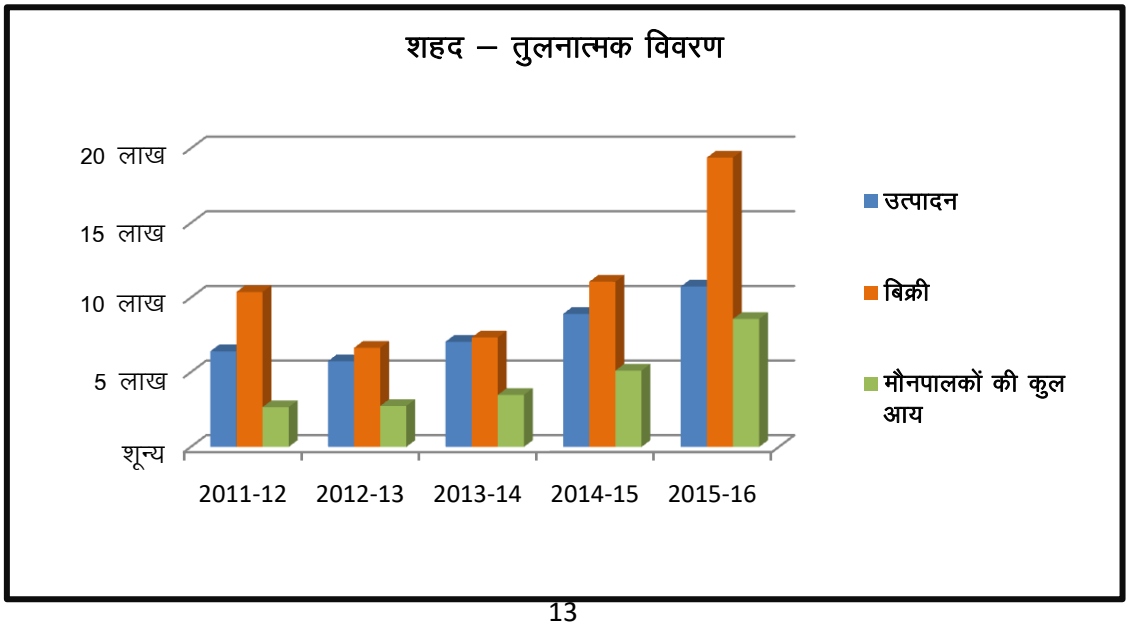

**5. बांस कला कार्यक्रम :** उमंग की 4 व्यावसायिक इकाईयों के अलावा वर्ष **2015–16** में लोगों की आजीविका बढ़ाने हेतु ग्रासरूट्स की सहायता से बांस उत्पादन को बढ़ावा देते हुए बांस से बने उत्पादों को बाजार में उतारने के प्रयास किये गये, जिसकी पहचान उमंग की पांचवी व्यावसायिक इकाई के रूप में करवाई गयी। समीक्षा वर्ष के अंतर्गत 3 बांस बुनकरों ने कुल **176 पीस** का उत्पादन कर ` **58,600** कमाया जिनका उत्पादन मूल्य ` **98,189** रहा। बांस के उत्पादों की कुल नैट बिक्री ` **1,00,221** हुई।

## 6. अन्य कार्यक्रम :

## मुर्गी पालन :

उंमग द्वारा उपरोक्त आजीविका विकास कार्यक्रमों के साथ–साथ, आय अर्जित करने के अन्य साधनों को बढ़ावा देने के लिये अन्य वर्षों की भांति समीक्षा वर्ष में भी, लघु रूप से मुर्गी पालन करने हेतु अल्मोड़ा, नैनीताल एवं बागेश्वर ज़िले के **42 गाँवों** के **206 परिवार** इस कार्यक्रम से लाभांवित हुए हैं। समीक्षा वर्ष के दौरान इन काश्तकारों को **1,562 (एक हज़ार, पांच सौ बासठ)** मुर्गी के बच्चों का वितरण किया गया। इस परियोजना द्वारा एक परिवार की औसतन वार्षिक आय लगभग ` **4,500 से** ` **5,000** तक हो जाती है, इसके अलावा चर्चा के उपरान्त यह ज्ञात हुआ है कि बच्चों के पोषण में अंडों के उपभोग से सुधार आया है।

## होम स्टे :

उमंग द्वारा ग्रासरूट्स के गठबंधन में आय बढ़ाने हेतु घरेलू पर्यटन को पिछले नौ वर्षों से प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रुप से विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी ग्रामीण परिवारों के साथ रहकर ग्रामीण परिवेश की वास्तविकता से परिचित होते हैं। उमंग द्वारा इस कार्यक्रम को **2 गाँवों** के **15 परिवारों** में चलाया गया, जिससे उक्त परिवारों ने औसतन ` **22,300 (बाईस हज़ार, तीन सौ)** तक की वार्षिक अतिरिक्त आय अर्जित की।

## 8. क्षमता वृद्धि कार्यक्रम :

अपने सामाजिक एवं व्यवसायिक लक्ष्य की पूर्ति के लिए उमंग अपने संगठन से जुड़ी महिलाओं की क्षमता वृद्धि के लिए वचन बद्ध है। समीक्षा वर्ष के दौरान कई क्षमता वृद्धि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

- समीक्षा वर्ष में स्वयं सहायता समूहों की क्षमता वृद्धि के लिए **211** समूहों में कुल **400** कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिनमें समूह की महिलाओं को वित्तीय लेखा–जोखा व प्रस्ताव खातों को व्यवस्थित रखना तथा उन्हें भली प्रकार संचालित करना सिखाया गया, इसके अलावा इन कार्यशालाओं में उमंग प्रोड्यूसर्स कम्पनी की संपूर्ण जानकारी, उत्पादक का महत्व व उसका कंपनी पर मालिकाना हक़ तथा आय बढ़ाने के अन्य साधनों पर भी चर्चा की गयी। सभी समूहों के उचित संचालन हेतु उमंग द्वारा उनकी समीक्षा एवं अंकेक्षण भी किया गया।

- जैविक खेती के सुचारू संचालन हेतु समय समय पर विभिन्न प्रषिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। समीक्षा वर्ष के अंतर्गत विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान (वि.प.का.स.) केंद्र, हवालबाग़, जिला – अल्मोड़ा द्वारा पर्वतीय पारंपरिक फसलों को बढ़ावा देने में महिला उमंग को पूर्ण सहयोग दिया गया जिनमें झुंगरा और मडुवा मुख्य हैं। वि.प.का.स. द्वारा आयोजित किसान मेलों में प्रतिभाग कर उमंग के सदस्यों ने उन्नत बीजों, उपकरणों एवं कृषि तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

- समीक्षा वर्ष के दौरान स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को मडुवा, चौलाई व सोयाबीन के आटे से नमकीन बनाने का प्रशिक्षण दिया गया जिसके फलस्वरुप दुसाद गधेरे के 'जय देवी मां समूह, स्यालसुना' के 6 सदस्यों ने इस कार्यक्रम को आजीविका के रुप में अपनाया।
- समूह की महिलाओं के द्वारा उपरोक्त सभी आजीविका कार्यक्रमों के अतिरिक्त कई अन्य विकास कार्यक्रमों में भी अपना योगदान दिया गया जिसके अंतर्गत मुख्य रुप से पर्यावरण संतुलन के लिए 11 गधेरों के 6 स्कूलों व 71 गाँवों में 9 प्रजातियों के कुल 5,286 (पांच हजार, दो सौ छियासी) फलदार पेड़ों तथा 27 प्रजातियों के कुल 1,12,325 (एक लाख, बारह हजार, तीन सौ पच्चीस) स्थानीय पेड़ों का वितरण व बुवाई का काम किया गया।

## विभिन्न राज्यों में उमंग उत्पादों की उपलब्धता

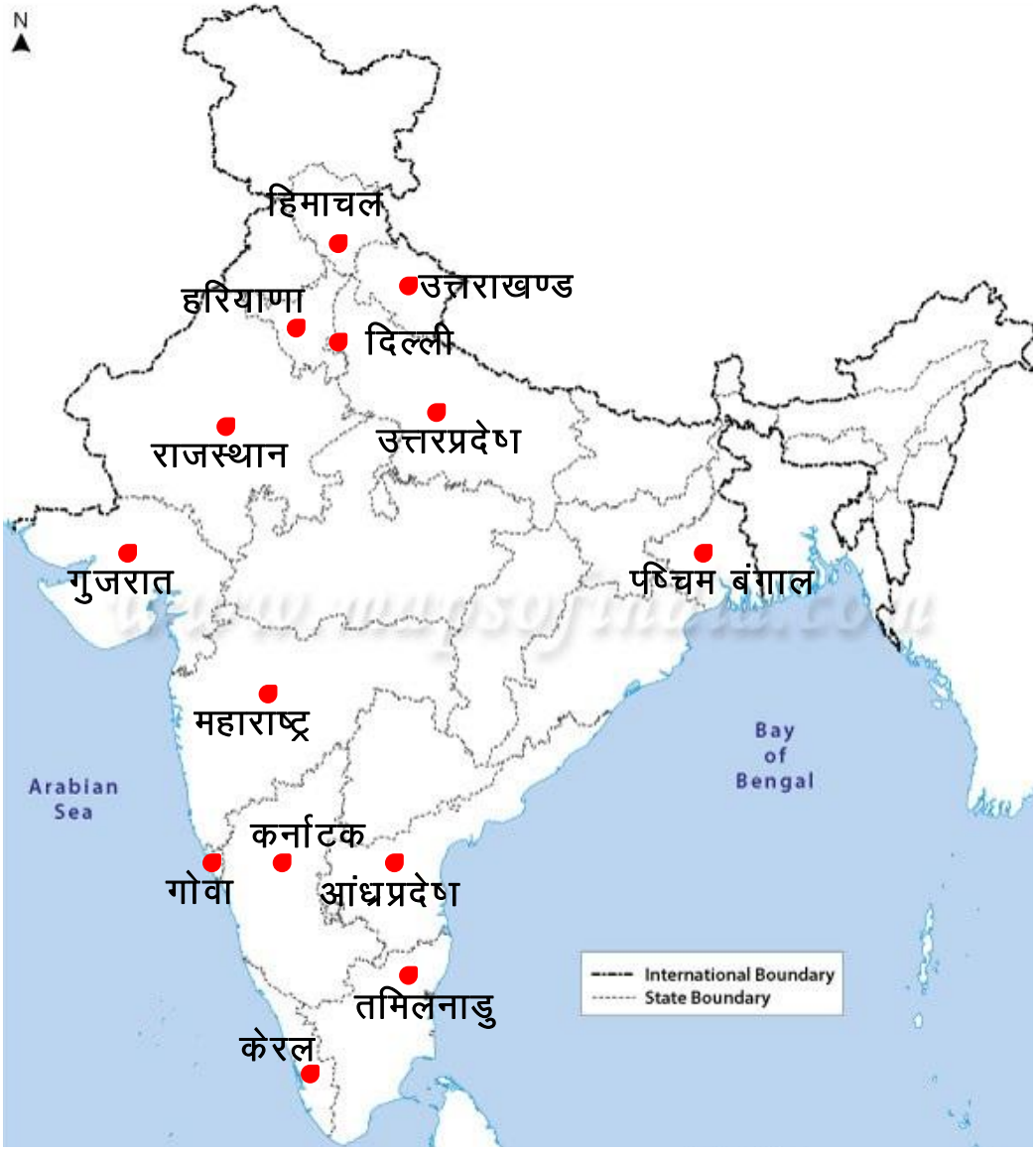

# यौगिक कार्यक्रम : प्रतिभागी विवरण तालिका

| क्रम | गधेरे का नाम | कुल गाँव | कुल प्रतिभागी | एस.एच.जी. | | कुल उमंग अंष धारक | | उमंग उत्पादक | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | प्रतिभागी एस.एच.जी. | प्रतिभागी एस.एच.जी सदस्य | अंष धारक एस.एच.जी. | अंष धारक सदस्य | हिमखाद्य उत्पादक | फल उत्पादक | बुनकर | मौन पालक | एक से अधिक कार्यक्रम में जुड़े सदस्य |
| 1 | दुसाद | 12 | 231 | 34 | 215 | 29 | 176 | 158 | 4 | 147 | — | 76 |
| 2 | गगास अन्य | 4 | 98 | 7 | 97 | 7 | 97 | — | 4 | 97 | — | 3 |
| 3 | गगास वैली | 2 | 18 | 2 | 18 | 2 | 18 | 5 | — | 13 | — | — |
| 4 | हैडवाटर्स | 4 | 73 | 9 | 63 | 9 | 59 | 66 | 38 | — | — | 31 |
| 5 | कनाड़ी | 11 | 84 | 16 | 82 | 13 | 66 | 51 | 3 | 53 | — | 21 |
| 6 | कोसी | 8 | 116 | 7 | 106 | 7 | 112 | 24 | 49 | 59 | — | 16 |
| 7 | कुजगढ़ | 4 | 104 | 7 | 99 | 7 | 103 | — | 7 | 98 | — | 1 |
| 8 | माल्यागाड़ | 12 | 121 | 23 | 101 | 22 | 88 | 91 | 39 | 34 | — | 36 |
| 9 | अन्य | 20 | 53 | 1 | 1 | 1 | 2 | 15 | 8 | 20 | 10 | — |
| 10 | पनाई | 4 | 69 | 9 | 67 | 9 | 66 | 11 | 39 | 39 | — | 20 |
| 11 | रिसकन | 3 | 29 | 3 | 20 | 2 | 16 | 8 | 14 | 11 | — | 4 |
| 12 | सोमेष्वर | 6 | 109 | 9 | 109 | 9 | 108 | 3 | — | 109 | — | 3 |
| **कुल (उत्तराखण्ड)** | | **90** | **1,105** | **127** | **978** | **117** | **911** | **432** | **205** | **680** | **10** | **211** |
| 13 | हिमाचल | 56 | 179 | 5 | 78 | 5 | 67 | 167 | 12 | — | — | — |
| **कुल** | | **146** | **1,284** | **132** | **1056** | **122** | **978** | **599** | **217** | **680** | **10** | **211** |

## यौगिक कार्यक्रम : कुल आय विवरण तालिका

| क्रम | गधेरे का नाम | हिमखाद्य उत्पादकों की आय | हिमखाद्य उत्पादकों का बोनस | फल उत्पादकों की आय | फल उत्पादकों का बोनस | बुनकरों की आय | बुनकरों का बोनस | बुनकर लीडरों की आय | मौन पालकों की आय | कुल यौगिक आय | कुल यौगिक बोनस | कुल यौगिक आय + बोनस |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | हिमाचल | 39,57,061 | 69,792 | 1,52,890 | 15,527 | – | – | – | – | 41,09,951 | 85,319 | **41,95,270** |
| 2 | अन्य | 67,321 | – | 51,063 | – | 23,180 | 180 | 2,565 | 8,57,380 | 10,01,509 | 180 | **10,01,689** |
| 3 | दुसाद | 1,83,681 | 6,045 | 3,449 | 288 | 3,09,915 | 25,413 | 9,930 | – | 5,06,975 | 31,746 | **5,38,721** |
| 4 | गगास अन्य | – | – | 2,090 | 317 | 3,91,255 | 32,054 | 43,342 | – | 4,36,687 | 32,371 | **4,69,058** |
| 5 | कोसी | 1,72,078 | 6,599 | 74,066 | 10,889 | 1,61,355 | 13,231 | 17,875 | – | 4,25,374 | 30,719 | **4,56,093** |
| 6 | कुजगढ़ | – | – | 11,018 | 1,550 | 3,68,670 | 30,231 | 39,857 | – | 4,19,546 | 31,781 | **4,51,327** |
| 7 | हैडवाटर्स | 1,87,946 | 6,771 | 1,31,660 | 15,985 | – | – | – | – | 3,19,605 | 22,756 | **3,42,361** |
| 8 | सोमेष्वर | 3,630 | 144 | – | – | 2,73,945 | 22,448 | 31,253 | – | 3,08,828 | 22,592 | **3,31,420** |
| 9 | कनाड़ी | 85,803 | 3,213 | 3,985 | 423 | 95,640 | 7,842 | – | – | 1,85,428 | 11,478 | **1,96,906** |
| 10 | पनाई | 3,948 | 74 | 57,512 | 8,657 | 89,840 | 7,367 | 10,063 | – | 1,61,363 | 16,098 | **1,77,461** |
| 11 | माल्यागाड़ | 53,282 | 1,768 | 35,833 | 4,000 | 42,380 | 3,431 | 4,634 | – | 1,36,130 | 9,199 | **1,45,329** |
| 12 | रिसकन | 8,342 | 310 | 16,521 | 2,364 | 12,750 | 1,045 | 1,444 | – | 39,057 | 3,719 | **42,776** |
| 13 | गगास वैली | 7,155 | 284 | – | – | 21,440 | 1,758 | 2,257 | – | 30,852 | 2,042 | **32,894** |
| **कुल अर्जित राषि** | | **47,30,247** | **95,000** | **5,40,087** | **60,000** | **17,90,370** | **1,45,000** | **1,63,220** | **8,57,380** | **80,81,304** | **3,00,000** | **83,81,304** |

**यौगिक आंकलन से पता चलता है कि समीक्षा वर्ष के दौरान संचित रूप से नैट बिक्री का 58 प्रतिषत रुपया सीधे तौर पर उमंग से जुड़े काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।**

समीक्षा वर्ष के अंतर्गत कुल 12 लोगों ने तीनों आजीविका कार्यक्रमों बुनाई, फल उत्पादन, व हिमखाद्य में अपना योगदान दिया।

### यौगिक आय श्रेष्ठ सदस्य (तीन आजीविका कार्यक्रमों बुनाई, फल उत्पादन, हिमखाद्य से जुड़े)

| क्रम | सदस्य का नाम | सदस्यता कोड | समूह का नाम | गधेरे का नाम | उत्पादों से कुल आय ` | बोनस से आय ` | कुल आय ` |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्रथम | मंजू देवी | 2986 | जय कृष्णा समूह (मुझोली) | मालयागाड़ | 9,577 | 759 | 10,336 |
| द्वितीय | भावना बुधोड़ी | 984 | महिला उत्थान समूह (टनोला) | कनाड़ी | 8,276 | 471 | 8,747 |
| तृतीय | दीपा देवी | 2469 | जय कृष्णा समूह (मुझोली) | मालयागाड | 7,052 | 601 | 7,653 |

## सफलता की ओर एक क़दम.....

**श्रीमती राधा रावत** महिला उमंग प्रोड्यूसर्स कम्पनी में एक कुशल कार्यकर्ता के रुप में कार्यरत् हैं। राधा रावत उत्तराखण्ड के एक गाँव कालिका में रहने वाले नंदन सिंह मेहरा की पुत्री हैं। शादी होने के बाद राधा दो बच्चों की मां बनी और अचानक उनके पति की मृत्यु के बाद वह अपने दोनों बच्चों को ले कर वापस मायके आ गयीं। अपने छोटे से परिवार का खर्च उठाने के लिए राधा ने महिला उमंग में कार्यकर्ता के रुप में काम करना शुरु कर दिया। राधा ने अपने कठिन परिश्रम से उमंग में अपनी एक सदृढ़ पहचान बनाई, अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ाने के साथ ही अब वह अपना खुद का घर भी बना चुकी हैं। वर्तमान में राधा अपने बच्चों के अच्छे पालन पोषण के साथ साथ उमंग के हिमखाद्य खण्ड की प्रबंधक की भूमिका कुशल रुप से निभा रही हैं।

## सारांष

उमंग के उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का संचालन स्थानीय **16** निपुण कार्यकर्ताओं द्वारा निदेशक मण्डल के मार्गदर्शन में किया गया इसके लिए उनके द्वारा ` **12,53,300 (बारह लाख, त्रेपन हज़ार, तीन सौ)** की आय अर्जित की गयी जो कि संस्था के कुल व्यवसाय का **9** प्रतिषत है। फल संरक्षण एवं हिमखाद्य के उत्पादों के उत्पादन के लिए स्थानीय बेरोजगार महिलाओं की एक टीम को **3,528 (तीन हज़ार, पांच सौ अट्ठाइस)** मानवदिवस का रोजगार प्राप्त हुआ जिससे उन्होंने ` **4,97,330 (चार लाख, सत्तानबे हज़ार, तीन सौ तीस)** की आय अर्जित की।

**संक्षिप्त रूप में समीक्षा वर्ष के दौरान उद्यमता के विकास में उमंग एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाने में सक्षम रही एवं परिणाम स्वरूप क्षेत्र के 1,284 (एक हज़ार, दो सौ चौरासी) परिवारों ने ` 1,04,66,434 (एक करोड़, चार लाख, छियासठ हज़ार, चार सौ चौंतीस) की निरन्तर पूरक आय अर्जित कर (प्रति सदस्य ` 8,151) कुमाँऊ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में अपना योगदान दिया।**

## *आभार*

**महिला उमंग प्रोड्यूसर कम्पनी की वार्षिक पत्रिका का समापन करते हुये हम अपने सभी ग्राहकों, मित्रों एवं शुभचिन्तकों, वित्तीय संस्थाओं, सरकारी एवं संस्थागत सहयोगियों, फल एवं खाद्य संरक्षण अधिकारियों, हमारे द्वारा उत्पादित सामान के सभी विक्रेता, समस्त उत्पादक महिलाओं एवं काश्तकारों का आभार प्रकट करते हैं।**

# निदेषक मण्डल

श्रीमती धनुली देवी
मल्ला सती नौगांव, दुसाद

श्रीमती ईष्वरी रावत
सुरना, हैडवाटर्स

श्रीमती मंजू देवी
मुझोली, माल्यागाड़

श्रीमती ललिता देवी
बटुलिया

श्रीमती माया खर्कवाल
कौसानी, सोमेष्वर

श्रीमती गीता मेहता
मजखाली, रानीखेत

श्रीमती भावना बुधोड़ी
टनोला, कनाड़ी

श्रीमती इंद्रा कबडवाल
उभ्याड़ी

श्रीमती मीना अधिकारी
नैनी

श्रीमती उमा देवी
बगथल, माल्यागाड़

श्रीमती मीना आर्या
मालरोड, रानीखेत
चेयर पर्सन

श्रीमती बसन्ती पवार
रायस्टेट, रानीखेत
कार्यकारी निदेषिका

श्रीमती सुनीता आर्या
कालिका, रानीखेत

# उमंग गीत

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोषनी लाती हैं।

यह उमंग है आप सभी का मिलकर इसे संवारेंगे,

हक़ अपना मिल सके सभी को इसके लिए विचारेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोषनी लाती हैं।

जंगल, पानी और लकड़ी का रिष्ता बहुत पुराना है,

पेड़ों को कटने नहीं देंगे हमने मन में ठाना है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोषनी लाती हैं।

जो बहनें हैं ग़म की मारी, बेबस हैं, मजबूर हैं,

उनके लिए उमंग का नाम अंधेरे में नूर है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोषनी लाती हैं।

आओ मिलकर अपने मन में यह विष्वास जगायेंगे,

एक दूजे का बनें सहारा मिलकर क़सम उठायेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोषनी लाती हैं।

बुलंद उत्तराखण्ड की बुलंद तस्वीर,

हमारा आज हमारा उमंग, हमारा कल हमारा उमंग,

हमारा उमंग, हमारा उमंग, हमारा उमंग।।